कार्रवाई

आबकारी विभाग ने लगाया 4 .31 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचने पर 4 दुकानों पर कार्रवाई

नवभारत, बालाघाट। जिले में निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) से अधिक दर पर मदिरा बिक्री करने के चार मामलों में आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए संबंधित मदिरा दुकानों पर कुल 4 लाख 30 हजार रुपये से अधिक की शास्ति अधिरोपित कर प्रकरणों का शमन किया है।

जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक?का ने बताया कि विभाग द्वारा मई माह में किए गए आकस्मिक टेस्ट परचेस एवं निरीक्षण के दौरान कम्पोजिट मदिरा दुकान सरेखा, आंवलाझरी, लिंगा तथा परसवाड़ा-बी में मदिरा का विक्रय निर्धारित एमआरपी से अधिक मूल्य पर किया जाना पाया गया। सभी मामलों में संबंधित आबकारी उपनिरीक्षकों द्वारा प्रकरण दर्ज किए गए तथा लायसेंसधारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। निर्धारित अवधि में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभाग द्वारा एकतरफा कार्रवाई की गई।

श्री एक?का ने बताया कि 04 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान सरेखा में आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) का विक्रय 230 रुपये में किया जाना पाया गया, जबकि उसका एमआरपी 211 रुपये था। इस मामले में 1,58,650 रुपये तथा सामान्य अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर 10,000 रुपये सहित कुल 1,68,650 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसी प्रकार 2 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान आंवलाझरी में आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) 230 रुपये में बेची जाना पाई गई।

इस प्रकरण में 80,289 रुपये एवं 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 90,289 रुपये का दंड लगाया गया।

6 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान लिंगा में भी आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) का विक्रय 230 रुपये में किया जाना पाया गया। इस मामले में 86,418 रुपये तथा 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 96,418 रुपये का दंड अधिरोपित किया गया। वहीं 7 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान परसवाड़ा-बी में माउण्ट बीयर केन (500 एमएल) 160 रुपये में बेची जाना पाई गई, जबकि उसका एमआरपी 137 रुपये था। इस मामले में 65,708 रुपये एवं 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 75,708 रुपये की शास्ति लगाई गई।

चारों मामलों में म.प्र. राजपत्र (असाधारण) दिनांक 20 फरवरी 2026 की कंडिका 21.2 के प्रावधानों के तहत प्रथम अपराध मानते हुए कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग द्वारा कुल 4,31,065 रुपये की शास्ति अधिरोपित कर प्रकरणों का शमन किया गया है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बालाघाट। दिनांक 31 मई, विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर दीप ज्योति नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, बालाघाट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तंबाकू एवं धूम्रपान (??) के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को बताया गया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने तंबाकू एवं अन्य नशे से दूर रहने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली।

कर्मचारियों ने अनेक मांगों को लेकर शुरू की हड़ताल

नवभारत, बालाघाट। कर्मचारियों को नियमित करने,समयमान वेतनमान का लाभ देने, सामाजिक सुरक्षा, बीमा ,पेंशन दिए जाने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार की सुबह से नपा कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो गई।भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले मंगलवार सुबह शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान नपा कर्मचारियों ने नपा प्रबंधन पर ,कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं करने का आरोप लगाते हुए उनकी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।वही मांग पूरी ना होने तक उनकी यह हड़ताल जारी रखने की चेतावनी दी है।

साफ सफाई सहित अन्य कार्य प्रभावित, हड़ताल पर डटे रहे कर्मचारी

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हड़ताल को लेकर नपा कर्मचारी मंगलवार की सुबह रोजाना की तरह काम पर नगरपालिका तो पहुंचे, लेकिन उन्होंने साफ सफाई सहित अन्य कार्यों को पूरी तरह से ढप कर दिया और नगर पालिका के गेट को बंद कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। जिन्होंने मांगो को लेकर अक्सर आश्वासन मिलने और मांग पूरी ना होने का आरोप लगाते हुए,हड़ताल के दौरान जमकर नारेबाजी की,कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया कि अब आश्वासन पर उनकी यह हड़ताल स्थागित नही होगी,और जबतक उनकी मांग ना पूरी नही हो जाती उनकी यह अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

इन मांगों को लेकर शुरू की गई, अनिश्चितकालीन हड़ताल

नगर पालिका में कार्य करने वाले विनियमित, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है।जिसमें कर्मचारियों ने भी नियमित श्रमिकों को शासकीय कर्मचारी जैसी सुविधा प्रदान करने, अनुकंपा नियुक्ति देने, पेंशन का लाभ दिए जाने, दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों की वरिष्ठता सूची का प्रकाशन कर उन्हें भी नियमित किए जाने, दैनिक वेतन भोगियों के 15 दिनों के भीतर नियमितीकरण के आदेश जारी करने ,सभी कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक वेतन देने ,रुके हुए वेतन का तुरंत भुगतान किए जाने ,ईपीएफ का लेखा-जोखा देने,बढी हुई नई कलेक्टर दर से भुगतान करने, स्थाई श्रमिकों को शासन के नियमानुसार साबुन, ड्रेस ,साड़ी सहित अन्य सुरक्षा कवच प्रदान करने, 10 वर्ष से अधिक सेवा देने वाले कर्मचारियों को 1500 से 2 हज़ार रु का अतिरिक्त वेतन दिए जाने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

जब तक मांग पूरी नहीं होगी काम पर नहीं लौटेंगे

कर्मचारियों का आरोप है कि अप्रैल माह से शासन द्वारा लागू किए गए न्यूनतम दर से मान्यदेय का भुगतान नही किया जा रहा है,सभी कर्मचारियों को पिछला वेतनमान में न्यूनतम वेजेस का अंतर डिफ्रेंस एरियस का भुगतान अब तक नही किया गया है जो एक मुस्त तत्काल दिया जाए,नगर पालिका में कार्यरत सभी कर्मचारियों को पेमेंट ऑफ वेजेस के तहत माह के 10 तारीख के अंदर करना चाहिए लेकिन ऐसा नही किया जा रहा है।,समस्त कर्मचारियों को मासिक वेतन पर्ची (बॉऊचर) वेतन के पूर्व दिया जाना चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है।हमारी मांग है कि कर्मचारी के माह में हाजरी एवं पूर्ण भुगतान तथा कटौती की गई भविष्य निधि राशी का स्पष्ट उल्लेख पर्ची में होना चाहिए,लेकिन कर्मचारियों को इसका लेखा जोखा नही मिल पा रहा है।समस्त कर्मचारियों को कार्य के दौरान सेफ्टी सामग्री जैसे कि सफाई कर्मचारी को जूता, दस्ताने, विद्युत कर्मचारी को सुरक्षा हेतु उच्च सुरक्षा कवच देना चाहिए, महिला कर्मचारी को मातृ अवकाश मिलना चाहिए, वर्ष के उपरांत डेलीविजेस में समस्त विभाग के कार्यरत कर्मचारी को नियमित करना चाहिए और जिन कर्मचारी ने 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली है ऐसे कर्मचारी को 2000 रु. प्रति माह सिनियारटी भत्ता मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा नही हो रहा है, जब भी मांगो को लेकर बोले तो सिर्फ आश्वासन देकर टाल मटोल किया जाता है इसलिए कर्मचारियों ने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले अनिश्चकालीन हड़ताल शुरू कर दी है, अब जब तक मांग पूरी नही होगी काम पर नही लौटेंगे।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी जारी है पोषण आहार वितरण

गोवारीटोला आंगनवाड़ी केंद्र में बांटी गयी रेडी टू ईट खाद्य सामग्री

नवभारत, बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासन के निर्देशानुसार बाल विकास परियोजना बालाघाट ग्रामीण अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों में 1 जून से 15 जून तक बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। अवकाश अवधि के दौरान बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को पोषण आहार की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा रेडी टू ईट (आरटीई) खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

इसी क्रम में सोमवार 2 जून को बालाघाट ग्रामीण परियोजना के चांगोटोला सेक्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनखार के गोवारीटोला आंगनवाड़ी केंद्र में हितग्राहियों को रेडी टू ईट खाद्य सामग्री का वितरण

किया गया। वितरण कार्यक्रम के दौरान केंद्र में पंजीकृत बच्चों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में पोषण आहार उपलब्ध कराया गया, जिससे अवकाश अवधि में भी उनके पोषण स्तर को बनाए रखा जा सके।

बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौकसे ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से रेडी टू ईट सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा हितग्राहियों को संतुलित आहार, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

विभाग का उद्देश्य है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भी बच्चों एवं महिलाओं को पोषण संबंधी सेवाओं का लाभ निरंतर मिलता रहे तथा कुपोषण की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। विभाग द्वारा वितरण कार्य की नियमित निगरानी भी की जा रही है ताकि सभी पात्र हितग्राहियों तक समय पर पोषण आहार पहुंच सके।

रेडी टू ईट वितरण कार्यक्रम से ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राहियों में संतोष देखा गया और उन्होंने विभाग की इस पहल की सराहना की।

बालाघाट जिले में अगले पांच दिनों तक हल्की बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना

नवभारत, बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 3 जून से 7 जून 2026 तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने तथा आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। वहीं हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव के वैज्ञानिक डा धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार उक्त अवधि में अधिकतम तापमान 38.6 से 40.3 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25.2 से 26.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय वायुमंडलीय आर्द्रता 51 से 56 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 28 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी दिनों में सामान्य हवा की गति 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है, जो मुख्यत: दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। हालांकि गरज-चमक और आंधी के दौरान हवा की रफ्तार अचानक बढ़कर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

कृषि विज्ञान केंद्र, बालाघाट ने किसानों को मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाने की सलाह दी है। साथ ही आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं के दौरान खेतों एवं खुले स्थानों पर अनावश्यक रूप से नहीं रुकने तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की अपील की गई है। जिला कृषि मौसम इकाई ने किसानों से मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी एवं कृषि परामर्श के लिए नियमित रूप से कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जारी सलाह का पालन करने का आग्रह किया है।

हौसलों की उड़ान : दिव्यांग कार्तिक ने पाई नौकरी, अब कमा रहे 40 हजार रुपये प्रतिमाह

नवभारत, बालाघाट। दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन मिलने पर कोई भी बाधा सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इसका प्रेरणादायक उदाहरण बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड के ग्राम भीमोड़ी निवासी 22 वर्षीय युवा कार्तिक दिलीप बंबूरे हैं, जिन्होंने शारीरिक दिव्यांगता के बावजूद अपने आत्मविश्वास और मेहनत के बल पर रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है।

कार्तिक एक पैर से चलने में असमर्थ हैं, लेकिन उन्होंने कभी अपनी शारीरिक चुनौती को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। रोजगार की तलाश के दौरान उन्हें लांजी स्थित दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट के संचालक सचिन चावड़ा के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रोजगार मेलों की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने अवसर का लाभ उठाने का निर्णय लिया और रोजगार मेले में भाग लिया।

जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जा रहे रोजगार मेलों ने कार्तिक के जीवन की दिशा बदल दी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें अहमदाबाद स्थित Yazaki India Private Limited में रोजगार का अवसर मिला। वर्तमान में वे कंपनी में कार्यरत हैं और प्रतिमाह लगभग 30 से 40 हजार रुपये का वेतन अर्जित कर रहे हैं।

कार्तिक बताते हैं कि यदि उन्हें रोजगार मेले की जानकारी और उचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, तो शायद उन्हें यह अवसर प्राप्त नहीं हो पाता। आज वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने परिवार को भी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सही समय पर मिला अवसर और मार्गदर्शन किसी भी व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

रोजगार प्राप्त करने के बाद कार्तिक ने कलेक्टर मृणाल मीना से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की रोजगारोन्मुखी पहल और रोजगार मेलों ने उनके जीवन को नई दिशा दी है। कार्तिक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिले के अन्य युवाओं को भी ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने कार्तिक की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। रोजगार मेले युवाओं और कंपनियों के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य कर रहे हैं, जिससे अनेक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है।

कार्तिक की यह सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो रोजगार की तलाश में हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि चुनौतियां चाहे कितनी भी बड़ी हों, यदि संकल्प मजबूत हो और सही अवसर मिल जाए, तो सफलता निश्चित रूप से हासिल की जा सकती है।

युवा सिद्धार्थ गेडाम का 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

ग्रामीण परिवेश से राष्ट्रीय पहचान तक

नवभारत, बालाघाट। प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के सामने संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बनती। इसका सशक्त उदाहरण बालाघाट जिले के ग्राम मंझारा (भरवेली) निवासी युवा एवं नेशनल वॉलिंटियर सिद्धार्थ गेडाम हैं, जिनका भारत सरकार के महत्वाकांक्षी माय भारत के अंतर्गत संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीवीपी) में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बीच हासिल की गई यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गई है।

भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का उद्देश्य देश के सीमावर्ती गांवों का समग्र विकास करना है। कार्यक्रम के माध्यम से सीमा क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाना, जनभागीदारी को बढ़ावा देना तथा गांवों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना प्रमुख लक्ष्य है। इसके अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, संचार और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में चयनित युवाओं को देश के सीमावर्ती राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों जैसे लद्दाख, हिमाचलप्रदेश, उत्तराखण्ड तथा जम्मु और कश्मीर के चयनित गांवों में कार्य करने और वहां के जीवन, चुनौतियों तथा विकास गतिविधियों को निकट से समझने का अवसर मिलेगा। प्रतिभागी सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता अभियान, युवा संवाद तथा अनुभवात्मक शिक्षण जैसी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सिद्धार्थ गेडाम ने अपनी मेहनत, अध्ययनशीलता और सामान्य ज्ञान के दम पर इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कार्यक्रम में

स्थान बनाया है। उनकी यह उपलब्धि अचानक नहीं आई, बल्कि वर्षों के निरंतर प्रयास और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का परिणाम है।

उल्लेखनीय है कि सिद्धार्थ इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। वे माय भारत बजट क्वेस्ट कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ बजट विषय पर आयोजित वर्चुअल संवाद में सहभागिता कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय युवा संसद कार्यक्रम में मध्यप्रदेश लेजिस्लेटिव असेंबली में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया था, जिसकी व्यापक सराहना हुई थी।

सामाजिक जागरूकता, युवा नेतृत्व, राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न मंचों पर सिद्धार्थ लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने की उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हों, तो किसी भी पृष्ठभूमि का युवा देश के बड़े मंचों तक पहुंच सकता है। सिद्धार्थ गेडाम की यह उपलब्धि बालाघाट जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि ग्रामीण भारत की प्रतिभाएं आज राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और आने वाले समय में देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं।

ग्रीष्मकालीन तिल की फसल बनी किसानों के लिए प्रेरणा, कृषि विभाग ने दी डीएसआर एवं ब्राउन मैन्योरिंग अपनाने की सलाह

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में किसानों की आय बढ़ाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार खेत स्तर पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में 2 जून 2026 को विकासखंड परसवाड़ा के ग्राम सिंघई में कृषक श्री धरमलाल राणा के खेत का भ्रमण एवं फसल अवलोकन किया गया।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि भ्रमण के दौरान विभागीय योजनांतर्गत प्रदाय किए गए ग्रीष्मकालीन तिल बीज से तैयार फसल की स्थिति का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने फसल की बढ़वार, पौधों की सघनता एवं खेत की समग्र स्थिति का अवलोकन करते हुए किसान द्वारा किए जा रहे कृषि कार्यों की सराहना की। निरीक्षण में पाया गया कि समय पर बोवनी एवं उचित कृषि प्रबंधन के कारण तिल की फसल संतोषजनक स्थिति में है।

कृषि विशेषज्ञों ने कृषक को तिल फसल की कटाई के बाद खेत की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और खरपतवार प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए ब्राउन मैन्योरिंग तकनीक अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यह पद्धति मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ फसल उत्पादन लागत को कम करने में भी सहायक सिद्ध होती है।

इसके साथ ही आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषक को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) पद्धति से धान की बुवाई करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि डीएसआर तकनीक के माध्यम से धान की खेती में पानी की बचत, श्रम लागत में कमी तथा समय पर बुवाई सुनिश्चित की जा सकती है। बदलती जलवायु परिस्थितियों में यह तकनीक किसानों के लिए अधिक लाभकारी सिद्ध हो रही है।

कृषि विभाग ने किसानों से आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने की अपील की है। विभाग का मानना है कि तिल, ब्राउन मैन्योरिंग और डीएसआर जैसी उन्नत तकनीकों के समन्वित उपयोग से किसानों को बेहतर उत्पादन और अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है।

लापरवाही

जर्जर दीवार और ड्रेनेज व्यवस्था पर सवाल

नए सत्र की दस्तक, लेकिन तैयारियां अधूरी

नवभारत , जबलपुर । गर्मी की छुट्टियों के बाद शहर के सरकारी स्कूलों में फिर से बच्चों की चहल-पहल शुरू होने वाली है। एक ओर शिक्षा विभाग नए सत्र की तैयारियों के दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नवभारत टीम द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में की गई पड़ताल ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कई स्कूलों में अभी भी बारिश से पहले होने वाले जरूरी कार्य अधूरे पड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों की सुविधाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है।

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का कार्य अधूरा

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है, लेकिन कई स्कूलों में वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) सिस्टम का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। कहीं निर्माण कार्य चल रहा है तो कहीं योजना केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है।

बारिश से पहले नहीं हुई पूरी तैयारी

मानसून की दस्तक से पहले स्कूल परिसरों में ड्रेनेज सिस्टम की सफाई, मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होना जरूरी है, लेकिन कई स्कूलों में यह कार्य अधूरा मिला। कुछ विद्यालयों में परिसर के भीतर पानी भरने की आशंका भी बनी हुई है।

पेड़ों की छंटाई बाकी

स्कूल परिसरों में वर्षों पुराने पेड़ मौजूद हैं। कई स्थानों पर सूखी झाड़ी और झुकी हुई टहनियां देखी गईं, जिनकी कटाई-छंटाई अब तक नहीं हो पाई है। बरसात और तेज हवाओं के दौरान यह विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

स्कूल की पिछली दीवार बनी चिंता का विषय

स्कूल के पिछले हिस्से में स्थित बाउंड्री वॉल की स्थिति भी चिंताजनक नजर आई। दीवार में कई जगह बड़ी दरारें दिखाई दीं, जिससे इसकी मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बरसात के मौसम में दीवार को और नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो यह विद्यार्थियों और आसपास के लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

इनका कहना है

स्कूल परिसर में चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जा रहा है । विद्यार्थियों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

प्राचार्य
रुक्मणि कनोजिया , एम. एल. बी स्कूल